

## उत्तराखण्ड में जलवदियुत परियोजना को हरति मंजूरी

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तराखण्ड में [फाटा बयुंग जलवदियुत परियोजना](#) के लिये नई मंजूरी पर्यावरण, वन और वन्यजीव मंजूरी पर निर्भर है।

### मुख्य बदि

- परियोजना:
  - यह [उदरप्रयाग](#) में [मंदाकनी नदी](#) पर 76 मेगावाट की रन-ऑफ-द-रिवर परियोजना है।
  - वर्ष 2013 में [बादल प्रस्फोटन](#) से आई बाढ़ के दौरान इस परियोजना को अत्यधिक नुकसान हुआ था।
  - [पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय](#) ने वन एवं [राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड \(National Board for Wildlife- NBWL\)](#) की मंजूरी पर ज़ोर दिया।
- चिंताएँ:
  - [हमिनद झील के प्रस्फोटन से आने वाली बाढ़](#) एक बड़ी चिंता का विषय है।
  - इस स्थल के नकिट **24 झीलें** हैं, जनिमें से 6 को गंभीर माना गया है।

### मंदाकनी नदी

- यह उत्तराखण्ड में [अलकनंदा नदी](#) की एक सहायक नदी है।
- यह नदी [उदरप्रयाग](#) और [सोनप्रयाग](#) कषेत्रों के बीच लगभग 81 किलोमीटर तक बहती है और [चोराबाड़ी ग्लेशियर](#) से निकलती है।
- [मंदाकनी नदी](#) [सोनप्रयाग](#) में [सोनगंगा नदी](#) से मलि जाती है और उखीमठ में मध्यमहेश्वर मंदिर के पास से बहती है।
- अपने मार्ग के अंत में यह [अलकनंदा](#) में गरिती है, जो गंगा में मलि जाती है।

### हमिनद झील के प्रस्फोटन से बाढ़ (Glacial Lake Outburst Flood- GLOF)

- परिचय:
  - हमिनद झील के प्रस्फोटन से आने वाली बाढ़ वनिाशकारी होती है, यह स्थिति तब उत्पन्न होती है जब हमिनद झील का बाँध कमज़ोर हो जाता है और जल तेज़ प्रवाह के साथ बहने लगता है।
  - इस प्रकार की बाढ़ आमतौर पर हमिनदों के तेज़ी से पघिलने, अत्यधिक वर्षा, झील में जल के बढ़ने के कारण आती है।
    - फरवरी 2021 में [उत्तराखण्ड के चमोली ज़िले में अचानक बाढ़](#) आई, जिसके बारे में संदेह है कि यह GLOF के कारण आई थी।
- कारण:
  - ये बाढ़ अनेक कारकों से उत्पन्न हो सकती है, जनिमें हमिनद के आयतन में परिवर्तन, झील के जल स्तर में परिवर्तन और भूकंप शामिल हैं।
  - [राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण \(National Disaster Management Authority- NDMA\)](#) के अनुसार, [हृदि कुश हिमालय](#) के अधिकांश भागों में जलवायु परिवर्तन के कारण हमिनदों के पीछे हटने से अनेक नई हमिानी झीलों का निर्माण हुआ है, जो GLOF का प्रमुख कारण हैं।

